FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

WEBINAR ON WORLD ENVIRONMENT DAY (5th June, 2020)

On the occasion of World Environment day 5th June, 2020, FRCER, Prayagraj organized a National Webinar on Theme: Time For Nature. This Webinar was organized by following all guidelines issued by the Government of India in view of nCOVID-19 Pandemic during UNLOCK-1. The Honorary Speaker invited for event was Prof. Kavita Shah, Former Director, Institute of Environment and Sustainable Development (IESD,BHU) and also Coordinator at the Mahamana Malaviya Research Centre for Ganga, River Development & Water Resource Management, at Banaras Hindu University, Varanasi. More than 400 participants from different universities, academic institutions, research organizations, environment professionals, Government and Non Government organizations from all over India got registered for the participation in the National Webinar.

Prof. Kavita Shah
IESD, BHU, Varanasi

The event was started with a formal welocome of the Webinar participants by Dr. Anubha Srivastava, Scientist, FRCER, Prayagraj.Inaugral and Welcome address of Honorary Speaker Prof. Kavita Shah was given by Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj. In his iaugral address he specified different projects going on in the field of Environment Conservation at ICFRE, Dehradun. The Honrary speaker Prof. Kavita Shah was introduced by Dr. Kumud Dubey, Scientist, FRCER, Prayagraj. She enlighten on her academic and scientific acheivment. She also explains different restoration and river rejuvanation activities going on this Centre.

In her invited lecture, Prof Kavita Shah emphasized upon the need for Sustainable development which looks into upliftment of economy and livelihood without compromising with the ecological assets. It is important to be local and voca. She highlighted that Our Indian traditions and wisdom must be revisited. She stressed that there are a needy to have an Indianized '**Swadeshi**' Way, improve livestock and focus upon forest to manage biodiversity the real Insurance for future generation. She further told that there is no Planet B and it is important to understand need and want to save Earth as we owe our existence to her well being. She told that saving the Environment is saving us.

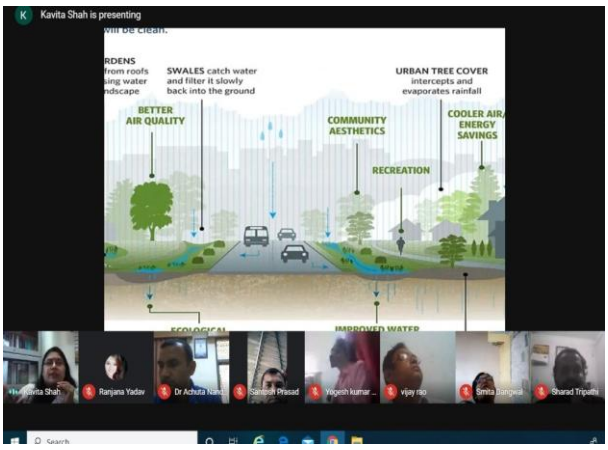

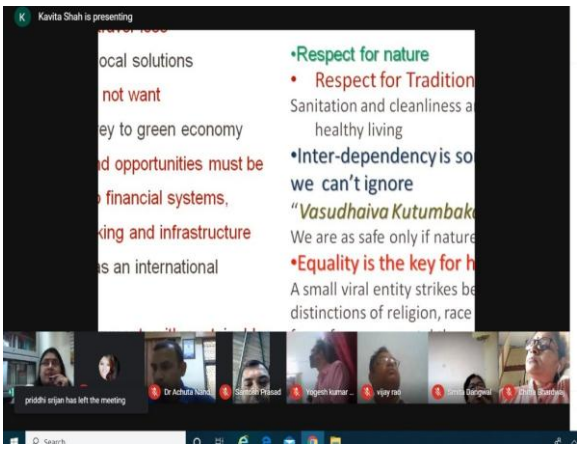

After her lecture, there was an interacting session during which questions and different queries asked by the participants were responded and clarified by Prof Kavita Shah.

The national Webinar was ended by the Vote of Thanks by Dr. Anita Tomar, Scientist E, FRCER, Prayagraj.

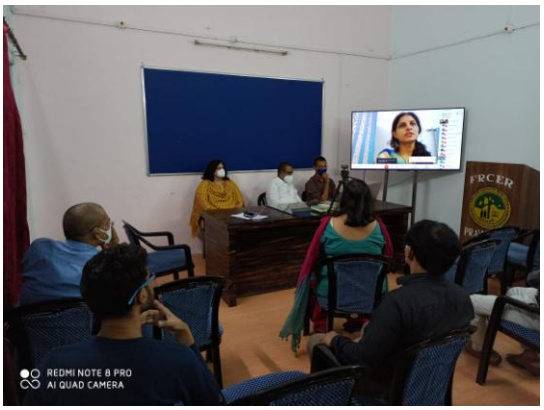

At FRCER, Prayagraj, with following the guidelines of Unlock-1, all scientists and research officials Shri Alok yaday, Scientist, FRCER, Prayagraj, Dr. Satendra Dev Shukla, Technical officer, FRCER, Prayagraj, Ratan Gupta, FRCER, Prayagraj, Shri Siyaram, Shri harish Kumar, research scholars working under differen ongoing research projects at FRCER, Prayagraj, Shivam Kesarvani, Aman Mishra, Faraj Ahmad Khan, Charlie Mishra, Rahul Nishad etc were remained present at FRCER, Prayagraj.

इंडिया पब्लिक खबर | उत्तर प्रदेश | लखनऊ, सोमवार, 08 जून 2020

विश्व पर्यावरण दिवस पर कई जगहों पर हुई गोष्ठी तथा वृक्षारोपण

प्रयागराज: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शनिवार 6 जून को शहर में सैकड़ों जगह पर वृक्षारोपण किया गया। वैज्ञानिकों, समाजसेवी संस्थाओं, नेता व आम जनमानस द्वारा वृक्षारोपण करना निश्चित तौर पर यह दर्शाता है कि देर ही सही परन्तु हम पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। लॉकडाउन के बीच प्रयागराज की सांसद केशरी देवी पटेल ने जहां अपने आवास पर वृक्षारोपण किया तो वहीं नगर पार्षद अलका श्रीवास्तव ने लेबर चौराहे स्थित एक पार्क में वृक्षारोपण किया। चांदी स्थित समाजसेवी संस्था श्रीसुमंगलम सेवा न्यास के सदस्यों द्वारा इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष की तरह दर्जनों वृक्षों को लगाया गया।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर कृषि वैज्ञानिकों से की गोष्ठी

पारी पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून) प्रयागराज द्वारा अनलॉक–1 के अंतर्गत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के बिंदुओं का पालन करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर "टाइम फॉर नेचर" विषय पर एक संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन किया गया, जिसकी मानद वक्ता प्रोफेसर कविता शाह आई.ई.एस.डी. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी रहीं। प्रोफेसर कविता शाह ने टाइम फॉर नेचर के बारे में सभा को विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए कहा कि पर्यावरण जागरूकता से बढ़कर पर्यावरण कार्यशीलता पर समाज के हर वर्ग को सम्मिलित प्रयास करने होंगे, जिसमें वानिकी वैज्ञानिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पर्यावरण में सुधार हेतु चल रही विभिन्न परियोजनाएं किस तरह अग्रसर है, इससे अवगत कराया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं वेबिनार की आयोजिका डॉ. कुमुद दुबे ने प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों से अवगत कराया। कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता लोमश द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। वेबिनार वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों अमन कुमार मिश्रा, शिवम केसरवानी, फराज सहित अन्य लोगों ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग देकर संगोष्ठी को सफल बनाया।

अनलॉक-1 को लेकर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

सरकारी अस्पतालों में ओपीडी पर रोक से प्राइवेट नर्सिंग होम्स की हुई चांदी

वेबीनार का हुआ आयोजन

टाइम फॉर नेचर पर हुआ संगोष्ठी

रानू सिंह/संवाददाता

प्रयागराज-पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून) प्रयागराज द्वारा कोविड-19 में अनलॉक-1 के अंतर्गत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के बिंदुओं का पालन करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर टाइम फॉर नेचर विषय पर एक संगोष्ठी (वेबीनार) का आयोजन किया गया जिसकी मानद वक्ता प्रोफेसर कविता शाह आई. ई.एस.डी. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी रही। प्रोफेसर कविता शाह ने संगोष्ठी के विषय टाइम फॉर नेचर के बारे में सभा को विस्तृत रूप से अवगत कराया ।उन्होंने कहा कि पर्यावरण जागरूकता से बढ़कर पर्यावरण कार्यशीलता पर समाज के हर वर्ग को सम्मिलित प्रयास करने होंगे जिसमें वानिकी वैज्ञानिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी ।केंद्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने चल रही विभिन्न परियोजनाएं पर्यावरण में सुधार हेतु किस तरह अग्रसर है इससे अवगत कराया ।केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं वेबिनार की आयोजिका डॉ कुमुद दुबे ने उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किए जा रहे सतत प्रयास से अवगत कराया। कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर द्वारा किया गया।

नऊ समाचार
, शनिवार, 06 जून 2020

रखने के लिए वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण की दिशा में लगातार काम करता रहेगा।

डिस्टासिंग का भी पालन होना चाहिए ।जिलाधिकारी ने मंझनपुर ब्लाक के कातारा पश्चिम गांव में रह मनरेगा योजना के तहत हो रहे तालाब खनन का निरीक्षण किया । इसके साथ ही पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में गो संरक्षण केन्द्र कादिराबाद में मंझनपुर में वृहद वृक्षारोपण किया गया ।पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए पेड़ो का होना आवश्यक है ।

उ0प्र0 में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किए जा रहे सतत प्रयास :डॉ कुमुद दुबे

प्रयागराज(नि.सं.)।पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून) प्रयागराज द्वारा कोविड-19 में अनलॉक-1 के अंतर्गत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के बिंदुओं का पालन करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर' टाइम फॉर नेचर' विषय पर एक संगोष्ठी (वेबीनार) का आयोजन किया गया जिसकी मानद वक्ता प्रोफेसर कविता शाह आई. ई.एस.डी. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी रही। प्रोफेसर कविता शाह ने संगोष्ठी के विषय टाइम फॉर नेचर के बारे में सभा को विस्तृत रूप से अवगत कराया ।उन्होंने कहा कि पर्यावरण जागरूकता से बढ़कर पर्यावरण कर्यशीलता पर समाज के हर वर्ग को सम्मिलित प्रयास करने होंगे जिसमें वानिकी वैज्ञानिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी ।केंद्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने चल रही विभिन्न परियोजनाएं पर्यावरण में सुधार हेतु किस तरह अग्रसर है इससे अवगत कराया ।केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं वेबिनार की आयोजिका डॉ कुमुद दुबे ने उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किए जा रहे सतत प्रयास से अवगत कराया। कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने किया । कार्यक्रम का सफल आयोजन केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने किया। वेबीनार में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव सहित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एसडी शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में संपन्न हुआ तथा विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों

अमन कुमार मिश्र, शिवम केसरवानी, फराज, योगेश अग्रवाल, इत्यादि का विशेष सहयोग रहा। देश भर से लगभग 100 से अधिक वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र से संबंधित शिक्षाविद एवं शोधार्थी मौजूद थे।

क्षा व इम्युनिटी बढ़ाने विषय पर शुआट्स में वेबिनार आयोजित

बढ़ावा देने के लिए पोषण सुरक्षा चुनौतियों और पोषण की भूमिका के बारे में विचार व्यक्त किये।कुलसचिव प्रोफेसर प्रो. डा. रॉबिन एल प्रसाद ने विश्वविद्यालय के

सही पोषण सुनिश्चित करने से संबंधित बिंदुओं पर प्रकाश डाला।केएचपीटी, लखनऊ की डा. जया त्रिपाठी ने कोविड -19 महामारी के दौरान पोषण सुरक्षा

****